

त्रितं कूपे ऽवहितमेतत्सूक्तं प्रतिबभौ so v. a. wurde ihm offenbart Nir. 4, 6. ऋचः सोम्य यज्ञेषु सामानीति स होवाच न वै मा प्रतिभाति भो इति KHAND. UP. 6, 7, 2. न सापरायः प्रतिभाति बालं प्रमाद्यत्तं वित्तमोहेन मूढम् KATHOP. 2, 6. कैकेयोसंभ्रतं जल्पं नेदानीं प्रतिभाति माम् R. 2, 60, 14. तं तु कृत्स्नो धनुर्वेदः प्रत्यभात् MBh. 3, 11069 (S. 371). 1, 696 (= 739). 3, 13310. 12, 1878 (wo mit der ed. Bomb. प्रतिभास्यासि zu lesen ist). नोत्तरं प्रतिभाति मे es fällt mir keine Antwort ein HARIV. 9972. R. 2, 62, 1. R. GORR. 1, 67, 17. — 3) gut scheinen, gefallen: तद्यत्ते प्रतिभाति तत्कुरुष्व PAKKAT. 66, 19. 78, 12. 131, 1. KULL. zu M. 3, 11 (S. 178, Z. 1). mit dem acc. der Person Vikr. 43, 18. कुमुदितं न प्रति भाति (!) किञ्चित् Siddh. K. zu P. 2, 3, 2. — Vgl. प्रतिभा, प्रतिभान.

— विप्रति erscheinen, zu sein scheinen: न चैतत्कारणं ब्रह्मन्त्रत्वं विप्रतिभाति मे MBh. 9, 3507.

— संप्रति 1) dass.: न चैतत्कारणं ब्रह्मन्त्रत्वं संप्रतिभाति मे MBh. 1, 3095. — 2) in Jinds Geiste klar erscheinen, dem Geiste gegenwärtig werden, zum Bewusstsein kommen: द्विजानामनधीता वै वेदाः संप्रतिभातु MBh. 3, 10784.

— वि 1) erscheinen, erglänzen, glänzen; erscheinen wie, scheinen zu sein; zum Vorschein kommen: प्रतीचो चतुर्विधा वि भाति RV. 4, 92, 9. 98, 11. विभातीनां प्रयोषा व्यञ्जेत् 113, 15. 17. 19. 2, 8, 4. द्युमहि भाति क्रतुमज्जनेषु 23, 15. 6, 3, 5. दिवो डेक्षितैर्विभाती 4, 31, 1. 7, 77, 3. 10, 6, 1. VS. 12, 15. लोको यस्मिंश्चन्द्रमा विभाति TBr. 1, 4, 10, 7. प्रजापतेर्विभावाम् लोकः TS. 1, 6, 5, 1. 7, 5, 1. KATHOP. 3, 15 (= MURP. UP. 2, 2, 10. ÇVETĀÇV. UP. 6, 14). PRAB. 107, 19. MAITRĀJ. 6, 24. मार्गस्थो विबभौ (ऽपि बभौ die neuere Ausg.) भानुः HARIV. 4027. विभाति गगने चन्द्रः SĀH. D. 17, 24. VARĀH. BRH. S. 30, 33. PAKKAT. 1, 4, 5, 7, 83. MĀRK. P. 107, 6. ÇIÇ. 9, 26. कृतदिव्यकौतुका सा सुतरामथ मदनमञ्जुका विबभौ KATHĀS. 34, 251. शयनम् तदिदं न विभात्यय विह्वीनं तेन धीमता । व्योमेव शशिना क्लीनं शुष्काप इव सागरः ॥ R. 2, 72, 20. नैरुन्नतगामिभिः — न विभाति म-  
क्षयथाः 114, 13. श्रोत्रं श्रुतेनैव न कुण्डलेन दानेन पाणिर्न तु कङ्कणेन । विभाति Spr. 3032. 1318. यथा दीपो विभात्यस्य जनस्य न तथा गुणः so v. a. in die Augen springen 2311. शालिङ्गितस्तिलक उत्कलिता विभाति erscheint mit Knospen versehen d. i. setzt Knospen an Cit. bei MALLIN. zu KUMĀRAS. 3, 26. भ्रष्टतेजा विभासि मे Bhāg. P. 1, 14, 39. Spr. 1012, v. l. VARĀH. BRH. S. 19, 14. KATHĀS. 27, 4. रूपं विभाति — पञ्चविंशतिवर्षवत् R. 3, 9, 12. तैर्वृतः — विबभौ देवसंकाशो वज्रपाणिरिवामरैः MBh. 1, 5771. 3, 4024. 4, 1867. तस्य तद्विबभौ वक्त्रं सनालमिव पङ्कजम् 7, 1103. (गजः) विबभावुत्पतिप्यन्निवाम्बरम् 14, 2185. RAGH. 13, 52. 53. VARĀH. BRH. S. 12, 9. RĀGĀ-TAR. 3, 355. Bhāg. P. 3, 18, 19. PRAB. 13, 13. अक्षविभाति सकलं जगदात्मनीह Verz. d. Oxf. H. 238, b, 34. विभाति ब्रह्मसर्गयोः । भेदः kommt zum Vorschein BĀLAB. 19. तथैव द्विजसंघानां शंसतां विबभौ स्वनः so v. a. erschallte MBh. 14, 2659. सकृद्विभातो ह्येवैष ब्रह्मलोकः erschienen KHAND. UP. 8, 4, 2. VEDĀNTAS. (Allah.) No. 124. क्वचिद्विभातं क्वच तत्तिरोहितम् Bhāg. P. 8, 3, 4. विभाता च विभावरो die Nacht ist hell geworden, der Morgen ist angebrochen KATHĀS. 23, 10. विभात n. Tagesanbruch H. 139. HALĀJ. 1, 111. ÇABDAR. im ÇKDR. ÇĀK. 113. RAGH. 3, 69. 72. 7, 2. — 2) bescheinen, beleuchten: प्रुक्ता वि भास्य-  
मृतस्य धाम् RV. 9, 97, 32. 6, 68, 9. चतुर्म उर्व्या वि भाहि erleuchten VS. V. Theil.

14, 8. उभा समूहो क्रतुना वि भाति AV. 13, 2, 10. 28. 42. 17, 1, 16. एकः सूर्यः सर्वमिदं विभाति MBh. 3, 10658. — स्व आ यस्तु-यं दम् आ विभाति wer in seinem Hause dir hell macht d. i. Feuer entzündet RV. 1, 71, 6. — Vgl. विभा, विभावरो.

— अभिवि unhersehen in (acc.): स मानुषीरुभि विशो वि भाति RV. 7, 8, 2. यावता लोकानुभि यद्विभाति AV. 13, 2, 42.

— आवि in der Stelle: अग्रिवाविभाति HARIV. 13100 fehlerhaft für अग्रिवावभाति, wie die neuere Ausg. hat.

— संवि denken an (!): यं यं लोकं मनसा संविभाति MURP. UP. 3, 1, 10. = संकल्पयति ÇĀK. Vielleicht fehlerhaft für संभावयति.

— सम् erglänzen: चित्रः केतुः प्रभानुभान्संभान् TBr. 3, 10, 4, 1. erscheinen, sich zeigen: अत्र कामश्च रोषश्च शैलशोभा च संभूः MBh. 5 3830. erscheinen, zu sein scheinen: निश्चेष्ट इव संभौ HARIV. 16081. MBh. 12. 6812. संभौ रातसेन्द्रस्य स्वपतः शयनोत्तमम् । गन्धकृस्तिनि संविष्टे यथा प्रस्रवणो गिरिः ॥ R. 5, 14, 13. मतप्रमतमुदिता चमूः सा तत्र संभौ 2, 91, 53. MBh. 7, 789. — संभाति MBh. 12, 12401 fehlerhaft für संवाति, wie die ed. Bomb. hat; vgl. Hip. 1, 10, wo बभौ fehlerhaft für ववौ steht.

2. भा (= i. भा) 1) f. Schein, Glanz, Licht VS. 30, 12. भां हि नत्त्राणि कुर्वन्ति ÇAT. Br. 9, 4, 1, 9. चन्द्रमसः 11, 8, 3, 11. Der nom. lautet wahrscheinlich भास्, da die ältere Sprache die Wurzeln auf भा in unverkürzter Form als Nomina zu gebrauchen pflegt; vgl. हरेभा. भा als fem. zu भ s. u. 1. भ 2. — 2) m. die Sonne Trik. 1, 1, 99; es könnte auch भास् gemeint sein. — Vgl. भास्.

भास्कीक (भास् + कृ) adj. so v. a. präglanzstrahlend nach SĀJ.: Agni RV. 1, 44, 3. 3, 1, 12. 14. धूमकेतुः समिधा भास्कीकः 10, 12, 2.

भांश (1. भ + शंश) m. Sternantheil WEBER, GJOT. 34. 70. fgg.

भाःकर = भास्कर Vop. 2, 45.

भाःकरण (भास् + 1. कृ) n. P. 8, 3, 46. Sch.

भाःखर, भाःपाते, भाःफेरु = भास्वर u. s. w. Vop. 2, 45.

भाकूट m. ein best. Fisch RĀGAV. im ÇKDR. — Vgl. भाकूट.

भाकूरि 1) ein zur Erkl. von भेकुरि erfundenes Wort: भेकुर्यो नामेति भाकुर्यो ह नामेति भां हि नत्त्राणि कुर्वन्ति ÇAT. Br. 9, 4, 1, 9. — 2) patron. PRAVARĀDHJ. in Verz. d. B. H. 58, 27 (भाकुर्यः d. i. भाकुर्यः).

भाकूट (भा Licht + कूट) m. 1) ein best. Fisch (vgl. भाकूट). — 2) N. pr. eines Berges H. an. 3, 166. MED. t. 52.

भाकोश (भा Licht + कोश) m. die Sonne Trik. 1, 1, 99.

1. भाक्त (von भक्त) adj. f. ई 1) dem regelmässig Speise gereicht wird P. 4, 4, 68. — 2) zur Speise sich eignend P. 4, 4, 100. शालयः Sch.

2. भाक्त (von भक्ति) 1) adj. f. ई untergeordnet, secundär (Gegens. मुख्य) ÇĀK. zu KATHOP. 1, 1. Schol. zu KAN. 7, 2, 5. 6. TITUBĀDIT. im ÇKDR. — 2) m. Bez. einer Vishṇuitischen und Çivaitischen Secte, die Gläubigen, Frommen WILSON, Sel. Works I, 13. 17. 230. fgg.; vgl. भक्त 2, a. b.

भाक्तीक (von भक्त) adj. = 1. भाक्त dem regelmässig Speise gereicht wird P. 4, 4, 68.

भातै adj. = भता शीलमस्य gaṇa इत्यादि zu P. 4, 4, 62. wohl der beständig isst.

भातालक adj. von भताली gaṇa धूमादि zu P. 4, 2, 127.